फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

दिल्ली, सोमवार 23 दिसंबर 2024

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 21 अंक : 253 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

महाकुंभ में नागा साधुओं के 'करतब' ने मोहा मन

● माथे पर भभूत, गले में रुद्राक्ष और तलवारें लहराते हुए निकले ● ऊंट-बग्घी,थार पर पेशवाई निकाली,भक्तों ने छतों से बरसाए फूल

प्रयागराज (एजेंसी)। लाठी-तलवार लहराते नागा साधु। माथे पर भभूत। गले में रुद्राक्ष। ऊंट, थार और बग्घी पर जाते संत। कुछ इस अंदाज में महाकुंभ के लिए पंचदशनाम आह्वान अखाड़े ने पेशवाई निकाली। रविवार सुबह 9 बजे नैनी के मड़ौका आश्रम से साधु-संत संगम के लिए निकले। संत आगे-आगे ढोल-नगाड़े के साथ चल रहे थे, पीछे डीजे। उनकी अगवानी के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे। महिलाओं ने छतों से फूल बरसाकर स्वागत किया। लोगों ने संतों के साथ सेल्फी ली। नैनी से संगम की दूरी 15 किलोमीटर है। संगम की रेती पर साधु-संत जप-तप करेंगे। साधुओं ने बताया- सुबह पहले आश्रम में संतों ने भगवान गणेश को खिचड़ी का भोग लगाया। इसके बाद प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद शोभायात्रा की शुरुआत हुई। महंत राहुल गिरी ने बताया-

मुगल काल से पेशवाई शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसलिए उसे हटाकर छावनी प्रवेश कर दिया गया है। हम गाजे-बाजे के साथ छावनी प्रवेश निकाल रहे हैं। हम संगम की रेती पर अपने देवता को स्थापित करेंगे। इससे ही कुंभ

मेले का प्रारंभ होगा। नागा साधु संन्यासी संप्रदाय से जुड़े होते हैं। ये अपने शरीर पर भस्म रमाते हैं और निर्वस्त्र रहते हैं। इनका उद्देश्य सांसारिक मोह-माया से दूर रहकर ईश्वर की साधना करना होता है। नागा साधु बनने की प्रक्रिया काफी चुनौती भरी होती है। नागा साधु बनने के लिए व्यक्ति को दीक्षा प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अखाड़ा समिति यह देखती है कि व्यक्ति नागा साधु की दीक्षा प्राप्त करने योग्य है या नहीं। चयन होने के बाद यह प्रक्रिया करीब 12 साल की होती है। दीक्षा के दौरान साधकों को काफी कठोर तप और संयम का पालन करना होता है। आखिरी चरण में उन्हें शाही स्नान के दौरान नागा साधुओं के अखाड़े में शामिल किया जाता है। नागा साधु अपने शरीर पर कपड़े इसलिए नहीं पहनते, क्योंकि वे वस्त्रों को सांसारिक जीवन और आडंबर मानते हैं। बड़ी बात यह है कि नागा साधु सोने के लिए बिस्तर का भी इस्तेमाल नहीं करते। महाकुंभ में नागा साधुओं का शाही स्नान देखने के लिए देश-विदेश से करोड़ों लोग आते हैं। महाकुंभ में लाखों संत और अखाड़े शामिल होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शाह के इस्तीफे के लिए अब कांग्रेस चलाएगी कैंपेन

● 26 जनवरी तक देशभर में प्रदर्शन होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह की इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी अगले साल 26 जनवरी तक देशभर में कैंपेन चलाएगी। 22 और 23 दिसंबर को कांग्रेस के नेता 150 से ज्यादा शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। 24 मार्च को कलेक्ट्रेट पर मार्च निकालेंगे। 27 दिसंबर को कर्नाटक के

बेलगावी में पार्टी बड़ी रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बताया कि संसद सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने अपने भाषण में बाबा साहब का अपमान किया है। शाह के बयान से सभी आहत हैं। अब तक अमित शाह या प्रधानमंत्री ने इसके लिए माफी मांगने की कोशिश नहीं की। कांग्रेस गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी तक इस मुद्दे को देशभर में उठाएगी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी जानकारी दी थी कि लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद सीडब्ल्यूसी सदस्यों के साथ देश भर के 150 अलग-अलग शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बढ़ेगी मुसीबत

बरेली कोर्ट ने किया तलब,7 जनवरी को होगी सुनवाई

बरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी के आर्थिक सर्वेक्षण संबंधी दिए गए बयान को लेकर बरेली जिला एवं सत्र न्यायालय ने उन्हें नोटिस जारी किया। कोर्ट सुनवाई के लिए 7 जनवरी 2025 तारीख तय हुई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर कुमार ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध फौजदारी निगरानी स्वीकार कर शनिवार को सुनवाई करते नोटिस भेजकर तलब किया है। बरेली सुभाषनगर निवासी अखिल भारतीय हिंदू महासंघ मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक ने अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता और अनिल द्विवेदी माध्यम से राहुल गांधी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए एमएलए-एमपी कोर्ट/सीजेएम कोर्ट में अर्जी दी थी। इसे कोर्ट ने 27 अगस्त को निरस्त कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल की गई। अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता ने बताया कि राहुल गांधी राजनीतिक लाभ के लिए वर्ग विद्वेष की भावना पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस को सत्ता में लाने की ललक ठीक नहीं है।

भीषण ठंड का कहर घाटी में जम गए झरने

चिल्लई कलां से कांप रहा है कश्मीर,-4 तक पहुंचा पारा

एमपी-यूपी समेत कई राज्यों में बन रहे बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। पंजाब-हरियाणा में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना कोहरा भी देखने को मिला। अमृतसर, तरनतारन, बठिंडा, लुधियाना और बरनाला में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। बर्फबारी और तेज सर्दी के साथ मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के 6 जिलों आज बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश राजस्थान में कल से बारिश होने की संभावना जताई गई है। जम्मू-कश्मीर में आज से चिल्लई कलां की शुरुआत हुई है। चिल्लई फारसी शब्द है, हिंदी में इसका मतलब बहुत ज्यादा ठंड होता है। अब अगले 40 दिन यहां काफी बर्फबारी होगी।

राजस्थान में अब खत्म होगा वाइस प्रिंसिपल का पद

गहलोत राज के एक और फैसले को पलटने का निर्णय

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भजनलाल सरकार शिक्षा विभाग को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके चलते अब प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल का पद समाप्त किया जाएगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब वाइस प्रिंसिपल के पद को डाइंग कैडर बनाने पर सहमति हुई है, अभी जो वाइस प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत शिक्षक हैं, उन्हें अब प्रमोशन दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद इस पद पर किसी की भी नियुक्ति नहीं होगी। सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल पद को समाप्त किए जाने को लेकर शिक्षक संघ लंबे समय से मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि वाइस प्रिंसिपल पोस्ट के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब शिक्षक सीधे प्रिंसिपल के रुप में पदोन्नत हो पाएंगे, अभी व्याख्याता 4800 ग्रेड पे से पदोन्नत होकर 5400 ग्रेड पे पर वाइस प्रिंसिपल बनते हैं, लेकिन उन्हें नए नियम से फायदा होगा और 6600 ग्रेड पे के आधार पर प्रिंसिपल पर प्रमोशन होगा। शिक्षक संघ की मांग को लेकर शिक्षा विभाग ने भी जायज माना है, उन्होंने समीक्षा बैठक में इसे स्वीकार किया कि स्कूलों में वाइस प्रिंसिपल पद की कोई आवश्यकता नहीं है।

हमारे फैसलों पर कोई वीटो नहीं लगा सकता..

दिल्ली के मंच से दुनिया को जयशंकर का सख्त संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर जोर दिया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर भी बात की। जयशंकर ने कहा कि भारत अपने फैसलों में राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई को प्राथमिकता देगा। उन्हें 27वां श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती राष्ट्रीय एमिनेंस अवार्ड मिला है। यह कार्यक्रम नई दिल्ली में हुआ। जयशंकर ने कहा कि स्वतंत्रता को कभी भी तटस्थता से भ्रमित नहीं करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा वो करेंगे। किसी के दबाव में नहीं आएंगे। भारत कभी किसी और को अपनी पसंद पर वीटो नहीं करने देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत को आगे बढ़ते हुए अपनी परंपराओं को अपनाना चाहिए। उनका मानना है कि भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दुनिया भारत की विरासत से सीख सकती है। उन्होंने वैश्वीकृत दुनिया में परंपरा और तकनीक के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर जोर दिया। विदेश मंत्री का मानना है कि भारत को अपनी सांस्कृतिक ताकत का इस्तेमाल वैश्विक प्रभाव हासिल करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपनी विरासत के मूल्य को समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

● कहा-हमारी आजादी को न्यूट्रेलिटी से कनफ्यूज न करें

● विदेश मंत्री ने कहा- हम वही करेंगे जो राष्ट्रहित में होगा

पीएम मोदी को मिला कुवैत का सर्वोच्च सम्मान

● 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' से किए गए सम्मानित ● अब तक 20 देश कर चुके हैं सम्मानित,बढ़ा देश का मान

कुवैत सिटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत दौरे के दूसरे दिन सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया गया है। उन्हें ये सम्मान कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने दिया। ये सम्मान पाने वाले मोदी पहले भारतीय पीएम हैं। मोदी को किसी देश से मिलने वाला ये 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। यह कुवैत का सर्वोच्च सम्मान है। यह अवार्ड दोस्ती की निशानी के तौर पर राष्ट्राध्यक्षों और विदेशी शासकों और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को दिया जाता है।

●भारत और कुवैत को वर्तमान ही नहीं, अतीत ने भी जोड़ा- मोदी ने कहा कि आज भारत रेमिटेंस के मामले में सबसे आगे है, तो इसका बहुत बड़ा श्रेय आप सभी मेहनतकश साथियों को जाता है। देशवासी भी आपके इस योगदान का सम्मान करते हैं। भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का, व्यापार-कारोबार का है। भारत-कुवैत अरब सागर के दो किनारे पर बसे हैं। हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं दिलों ने भी आपस में जोड़ा है। हमें वर्तमान ही नहीं, अतीत ने भी आपस में जोड़ा है। पीएम ने कहा कि एक वक्त था जब कुवैत से मोती, अच्छी नस्ल के घोड़े भारत जाते थे। वहीं भारत से मसाले, कपड़े, लकड़ी कुवैत आती थीं। कुवैत का मोती, भारत के लिए किसी हीरे से कम नहीं हैं। आज भारत की ज्वैलरी की पूरी दुनिया में धूम है तो इसमें कुवैत को मोतियों का योगदान है। गुजरात में तो हम बड़े-बुजुर्गों से सुनते आए हैं कि किस तरह कुवैत से भारत व्यापारी आया करते थे।

कुवैत में भारतीयों ने भारतीयता का तड़का लगाया

मोदी ने कहा कि आपमें से कितने ही लोग पीढ़ियों से कुवैत में रह रहे हैं। बहुत सारे लोगों का जन्म ही यहीं हुआ है। हर साल यहां रहने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। आपने कुवैत के समाज में भारतीयता का तड़का लगाया है। आपने कुवैत के कैनवास पर भारतीय हुनर का रंग भरा है, यहां भारत के टैलेंट, टेक्नोलॉजी और ट्रेडीशन का मसाला मिक्स किया है। मैं यहां सिर्फ आपसे मिलने नहीं आया हूं बल्कि आप सभी की उपलब्धियों को सेलीब्रेट करने के लिए यहां आया हूं। पीएम ने कहा कि मैंने यहां काम करने वाले भारतीय मजदूरों और कर्मचारियों से मुलाकात की। ये साथी यहां कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं। इसके अलावा बाकी लोग भी दूसरे सेक्टर में पसीना बहा रहे हैं। भारतीय समुदाय के डॉक्टर्स, नर्सें कुवैत के मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए बहुत बड़ी शक्ति हैं।

संभल में बांके बिहारी मंदिर के बाद मिली रानी की बावड़ी

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में 46 सालों बाद कार्तिकेय महादेव मंदिर के जहां एक ओर कपाट खुले तो दूसरी ओर विभिन्न मंदिरों और कूपों के निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। संभल की तहसील चंदौसी इलाके में भी खंडहरनुमा बांके बिहारी मंदिर मिलने के बाद एक प्लॉट में बावड़ी मिली है। सनातन सेवक संघ के पदाधिकारियों की मांग के पश्चात डीएम डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के आदेश पर एडीएम न्यायिक और तहसीलदार ने शनिवार को जेसीबी से बावड़ी की खुदाई शुरू करा दी। इस खुदाई के दौरान बावड़ी की सुरंग में दीवारें जैसे अवशेष नजर आए हैं। जानकारी के मुताबिक संभल जिले की कोतवाली चंदौसी इलाके के मोहल्ला लक्ष्मणगंज में बीते 17 दिसंबर को खंडहरनुमा प्राचीन बांके बिहारी मंदिर मिला था। सनातन सेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख कौशल किशोर वंदेमातरम ने बीते शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को एक पत्र दिया। इसके माध्यम से अवगत कराते हुए लक्ष्मणगंज में मंदिर के अतिरिक्त बावड़ी होने का दावा किया और उसके सौंदर्यीकरण की मांग की।